RESEARCH PAPER | Journalism | Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

सूचना संचार तकनीक के दौर में खेल पत्रकारिता

KEYWORDS
खेल पत्रकारिता, सूचना संचार तकनीक।

Dr. Subodh Kumar
Associate Professor & Convener, Department of Journalism VM open university, Kota (Raj.)

ABSTRACT विश्व में सबसे तेज विकसित होने वाली यदि कोई तकनीक है तो वह सूचना संचार तकनीक है। इस तकनीक की एक बात और भी है कि वर्तमान में यदि सबसे ज्यादा शोध किसी क्षेत्र में हो रहा है तो वह क्षेत्र भी सूचना संचार तकनीक ही है। पत्रकारिता जो कि सूचना सम्प्रेषण का मुख्य अंग है, सीधे तौर पर इस तकनीक का हिस्सा है। सूचना संचार तकनीक के विकास ने पत्रकारिता के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन किए हैं। वर्तमान में पत्रकारिता का मतलब ही तकनीकी नवाचार हो गया है। समाचार वेबसाइट्स से लेकर सोशल मीडिया सभी तकनीकी नवाचारों की देन हैं। पत्रकारिता की विभिन्न बीटों में से एक खेल पत्रकारिता भी तकनीकी परिवर्तनों से हो कर गुजर रही है। आज खेल पत्रकारिता का रोमांच यदि जीवित है तो उसमें सबसे बड़ा योगदान तकनीक का है। उदाहरणार्थ लाइव प्रसारण हो या न्यूज़ अपडेशन सभी तकनीकी सामर्थता का कमाल हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में खेल पत्रकारिता में सूचना संचार तकनीक के द्वारा खेल पत्रकारिता की पहुंच और गुणवत्ता में हो रहे परिवर्तनों पर मंथन किया गया है। विमर्श के उपरांत बात सामने आई है कि वेब की दुनिया से जुड़कर खेल पत्रकारिता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। आज खेल समाचारों से जुड़ी वेबसाइट्स और एप्स के विकास ने लोगों को आसानी से मनचाही जानकारी मिल पा रही है। साथ ही साथ स्मार्टफोन और टैब से खेल रिपोर्टिंग आसान हुई है। खेल पत्रकारिता में नए-नए सॉफ्टवेयर्स, एनीमेशन और ग्राफिक्स के प्रयोग ने खेल के रोमांच को चार गुना कर दिया है।

भूमिका

पत्रकारिता के क्षेत्र में अनेक बीट्स हैं। सभी बीट्स की अलग-अलग पहचान है। इन्हीं में से खेल पत्रकारिता भी है। लोगों में स्पोर्ट्स के प्रति हमेशा से ही रूचि रही है और आदिमकाल से ही खेल को मानसिक तनावों को दूर करने का उपकरण माना जाता रहा है। प्रतियोगिताओं में भी खेल को आदिमकाल से ही शामिल किया गया माना जाता है। घुड़सवारी, तीरंदाजी और तलवारबाजी जैसी खेल प्रतियोगिताओं के साक्ष्य तो द्वापर और त्रेतायुग के इतिहास से ही मिलने शुरू हो जाते हैं। जीत हार के रोचक क्षण जितना प्रतिभागी को उत्साहित करते हैं उतना ही दर्शकों को भी। एक तरफ जहां खेलने वाला खेल का आनंद उठता है तो दूसरी ओर दर्शक खेल की प्रतिस्पर्धा की रोचक उठा-पटक का आनंद लेते हैं। खेल में एक जीतता है तो दूसरा हारता है और कभी-कभी मुकाबला बराबरी पर छूट जाता है। यही कारण है कि खेल प्रतियोगिता का हर क्षण उत्साह और रोमांच से परिपूर्ण होता है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। लोगों के सकारात्मक रुझानों को देखते हुए हमेशा से ही खेल से संबन्धित सूचनाओं के प्रेषण का चलन रहा है। जब हमारे जनमाध्यम कम विकसित थे तब नगाड़ों के माध्यम से खेल से संबन्धित सूचनाओं को कुछ इस तरह प्रेषित किया जाता था कि सुनों सुनों फरमान सुनों आज दशहरा मैदान में कुश्ती का आयोजन शाम चार बजे से किया जाएग। इस कुश्ती में दो मशहूर कुश्तीबाज छोटा पहलवान और सोमो पहलवान अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। जीतनेवाले को राजदरबार की तरफ से दस सोने की गिन्नियां दी जाएंगी। कुश्ती के शौकीन चार बजे दशहरा मैदान में पहुंचे। ऐसे ही खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम भी प्रेषित किए जाते थे कि आज खेल मैदान में हुई तीरंदाजी की प्रतियोगिता सीतापुर के राजकुमार तेजबहादुर सिंह ने जीती। जैसे-जैसे माध्यमों का विकास होता गया खेल समाचारों का इन माध्यमों में स्थान बनता गया। खेल समाचारों की लोकप्रियता ने जनमाध्यमों में एक अलग रिपोर्टिंग बीट का सृजन किया, जिसे खेल पत्रकारिता नाम दिया गया। वर्तमान में बहुत से नए खेल विकसित हुए हैं जो कि उत्साह और मनोरंजन का अच्छा माध्यम बन रहे हैं। आज स्कूल से लेकर विश्व स्तर तक की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान में अखबारों में खेल का एक अलग से पृष्ठ निकलता है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में खेल के बुलेटिन और खेल चैनलों की भरमार है। सूचना संचार तकनीक ने खेल पत्रकारिता को नया रक्त प्रदान किया है। स्मार्टफोन पर क्रिकबज.कॉम जैसी वेबसाइट्स एवं एप्स हर क्षण की खबर यूजर्स तक (कहीं भी और कभी भी) पहुंचा रहे हैं। तकनीक ने खेल पत्रकारिता में नवाचारों को उभारा है। आज रिपोर्टर खेल के मैदान से स्मार्टफोन या टैब के जरिए हर पल की खबर को मीडिया हाउसेस को भेज रहा है। तकनीक ने छोटे और अधिक क्षमता वाले कैमरे विकसित किए हैं जिससे खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में गुणवत्तापरक तस्वीरें देखने को मिल पा रही हैं। साथ ही साथ जूम लेंसों की बढ़ती क्षमता ने करीबी दृश्य लेना आसान बना दिया है। खेल पत्रकारिता में सूचना संचार तकनीक के जरिए कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं जो लोगों तक अपडेट समाचार पहुंचा रहे हैं।

सूचना संचार तकनीक और खेल पत्रकारिता

सूचना संचार तकनीक ने हर एक क्षेत्र में अपनी छाप स्थापित की है। खास कर सूचना तंत्र का सबसे अहम हिस्सा मानी जाने वाली पत्रकारिता में सबसे ज्यादा बदलाव हुए हैं। सूचना संचार तकनीक को न्यू मीडिया के नाम से भी संबोधित किया जाता है। नई मीडिया की लोकप्रियता ने पत्रकारिता में तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा दिया है। कन्वर्जेन्स के दौर में प्रत्येक माध्यम न्यू मीडिया का हिस्सा हो गया है। समाचार पत्रों ने वेब संस्करण शुरू किये हैं तो टीवी और रेडियो ऑनलाइन उपलब्ध होते जा रहे हैं। पत्रकारिता की नींव मानी जाने वाली रिपोर्टिंग बीट्स में रिपोर्टिंग के दौरान तकनीक का प्रयोग अब आम बात हो गई है। ङ्कील्ड वर्क को आसान बनाने के लिए ड्रोन जर्नलिज्म जैसे शब्द पत्रकारिता के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उभार रहे हैं। पत्रकारिता में तकनीक के समावेश से पहुंच और गुणवत्ता दोनों में बेहतरी हुई है। इसी क्रम में खेल पत्रकारिता भी शामिल है खेल की दुनिया का रोमांच लोगों तक आसानी से पहुंच सके इसके लिए जनमाध्यम तकनीक का बढ़-चढ़ कर प्रयोग कर रहे हैं। खेल के लाइव अपडेट लोगों तक पहुंचाना एक आम बात होती जा रही है। स्मार्टफोन और टैब के बढ़ते बाजार ने स्पोर्ट जगत में एप्स बेस्ड पत्रकारिता को बढ़ावा दिया है। आज खेल से सम्बंधित लाइव रिपोर्ट देने वाली बहुत सी वेबसाइट्स मौजूद हैं। क्रिकेट, हॉकी, टेनिस, कबड्डी, कुश्ती, तीरंदाजी, निशानेबाजी या अन्य खेल सभी से सम्बंधित लाइव खबरें न्यूज़ वेबसाइट्स पर अपडेट की हुई उपलब्ध हो जा रही हैं। आज खेल से सम्बंधित किसी भी समाचार या अपडेट के लिए रेडियो या टेलीविज़न का मोहताज होना नहीं पड़ रहा है। व्यक्ति ऑङ्कि स से लेकर बाजार तक में आसानी से खेल से जुड़ी अपडेट्स पा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया और ब्लॉग्स के विकास ने छोटी से छोटी खेल खबर को विश्व स्तर मा मंच प्रदान कर दिया है। आज खिलाड़ी स्वयं ही खेल से सम्बंधित समाचार सोशल मीडिया और ब्लॉग्स पर अपलोड रहे हैं।

उपकरणों की नई खेप

खेल पत्रकारिता में तकनीक का ताल मेल कुछ इस तरह का हो गया है कि अब लगने लगा है कि बिना तकनीक के खेल पत्रकारिता अधूरी-सी है। सूचना संचार तकनीक के जरिए नए-नए उपकरण विकसित हो रहे हैं जो खेल रिपोर्टिंग को सुलभ बना रहे हैं। अधिक क्षमता और छोटे साइज़ के कैमरे हों या फिर टैब एवं स्मार्टफोन सभी खेल रिपोर्टिंग को नए आयाम प्रदान कर रहे हैं। अधिक ज़ूम लेंस वाले कैमरों से क्लोज पिक्चर्स उपलब्ध हो पा रही हैं जो दर्शकों तक खेल के रोचक दृश्य मुहैया करा रही हैं। साथ ही साथ कई कैमरों में वाई-ङ्क ाई जैसी सुविधा इनबिल्ट होने से इमेज को तुरंत भेजना आसान होता जा रहा है। टैब और स्मार्टफोन के जरिए क्षण-क्षण की सूचना टाइप कर भेजना अब बाएं हाथ का खेल हो गया है। खेल के मैदान से ही लाइव कवरेज की सुविधाएं हैं।

सॉफ्टवेयर की नई दुनिया

खेल पत्रकारिता में मनोरंजन और रोचकता बढ़ाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर्स डेवलप हुए हैं जिनसे लेआउट डिजाइनिंग और एडिटिंग आसान हुई है साथ ही साथ सामग्री की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। फोटोशॉप, क्वार्क एक्सप्रेस, प्रीमियम प्रो सीएस३ वीडियो एडिटर जैसे सॉफ्टवेयर खेल पत्रकारिता में डेस्क टास्क को सुलभ बना रहे हैं। बदलाव का यह सङ्क र ऐसा है कि अब तकनीक के बिना कार्य करने की बात से भी लोगों को डर लगने लगा है। पेज डिज़ाइन अब सुदृढ़ होती जा रही है, वीडियो में भी एनीमेशन और ग्राफिक्स ने चार चाँद लगा दिए हैं। डिजिटल स्कोर बोर्ड हो या स्निकोमीटर सभी सूचना संचार तकनीक की देन हैं।

वेबसाइट्स और एप्स का संसार

वर्तमान में खेल पत्रकारिता की पहुंच को बढ़ाने के लिए खेल समाचार पर आधारित वेबसाइट्स और एप्स बन रहे हैं। इन वेबसाइट्स और एप्स पर आप अपने पसंद की खेल सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह के नवाचारों से पारंपरिक माध्यमों (समाचार पत्र, टीवी एवं रेडियो) द्वारा परोसी जा रही प्रायोजित खेल सामग्री फीकी पड़ रही है। मान लीजिए आप टेनिस खेल प्रतिस्पर्धा से संबन्धित समाचार देखना या पढ़ना पसंद करते हैं और आपने टीवी ऑन की और उस पर क्रिकेट से संबन्धित सामग्री प्रसारित की जा रही है तो वह आपको बोर करती है पर यदि आप ऑनलाइन मीडिया के यूजर हैं तो आप अपनी पसंद की सामग्री को बिना किसी बाधा के प्राप्त कर सकते हैं। सूचना संचार तकनीक की इस तरह की खूबियों ने खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में ने अलग मुकाम हासिल कर लिया है। वर्तमान में टेलीग्राङ्क .को.यूके, क्रिकबज.कॉम, स्पोर्ट २४, स्पोर्टिंगलाइफ .कॉम एवं यूरोस्पोर्ट.कॉम जैसी हजारों वेबसाइट्स और एप्स तैयार हो गए हैं जिनके द्वारा २४ घंटे खेल समाचारों का प्रेषण किया जा रहा है।

निष्कर्ष

नवाचारों के प्रति लोगों का बढ़ता रुझान हर क्षेत्र में सूचना संचार तकनीक के प्रयोग की नई संभावनाओं को उभार रहा है। इसी क्रम में तकनीक ने खेल पत्रकारिता के रूप रंग में परिवर्तन किए हैं। वर्तमान में वेबसाइट्स और खास कर एप्स बेस्ड खेल पत्रकारिता का चलन बढ़ रह है। रिपोर्टिंग से लेकर प्रेषण हर जगह तकनीक हाबी है। वर्तमान में खेल पत्रकारिता का रोमांच यदि सर चढ़ कर बोल रहा है तो यह सिर्फ और सिर्फ सूचना तकनीक की बदौलत है। आज छोटे और अधिक क्षमता वाले कैमरों का विकास हो रहा है जिनका प्रयोग और रखरखाव आसान है साथ ही इनके जरिए गुणवत्तापरक फोटो और वीडियो शूट किए जा रहे हैं जो लोगों को अच्छे स्तर की सामग्री पहुंचाने में मददगार साबित हो रहे हैं। साथ ही साथ टैब और स्माटफोन की नई जनरेशन रिपोर्टिंग में तुरंत अपडेट्स टाइप कर भेजने में सहायक साबित हो रही है। तकनीक के प्रयोग से खेल पत्रकारिता में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं और इसकी पहुंच और लोकप्रियता में दोनों में ही इजाङ्क ा दर्ज किया जा रहा है। प्रति दिन नए नए एप्स और वेबसाइट्स खेल पत्रकारिता में

Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

नयापन विकसित कर रहे हैं। आज सोशल मीडिया और ब्लॉग्स के जरिए छोटे से छोटे स्तर की खेल ख़बर विश्व स्तर पर पहचान प्राप्त कर पा रही है जो खेल पत्रकारिता के सकारात्मक विकास का साक्ष्य है।

REFERENCE

पुस्तकें | 1. Boyle, R. (2006). Sports Journalism: Context and Issues. London: Sage Publications. | 2. Koppett, L. (1981). Sports Illusion, Sports Reality. Reporters View of Sports, Journalism and Society: Boston: Houghton Mifflin Company. | 3. Saxena, mbrish (2012). Issue of communication development and society. Gera, Gagan (Eds.) Social Media Networking and concept of International Citizenship (P.P.163-167). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 4. Mathur, K, Prasant (2012). Social Media and Networking Concept, trend and dimensions. New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 1. Gupta, Om Jasra jay S. (2002). Information Technology in Journalism. New Delhi : Kanishka Publishers, Distributors. | २. चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2013). मीडिया समग्र (भाग-३) ज्ञान-क्रान्ति और साइबर संस्कृति. दिल्ली: स्वराज प्रकाशनों ३. जोशी, शालनी, जोशी, शिवप्रशाद (2012). वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेडों ४. शर्मा, विजय (2011). आधुनिक पत्रकारिता प्रभाव एवं कार्य. जयपुरः इशिका पब्लिशिंग हाउसों ५. सिंह, सुरजीत (2012). मीडिया अचीवर्स. जयपुर: हार्सबैक पब्लिकेशनों ६. कुमार, राकेश (2009). इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं साइबर संचार पत्रकारिता. नई दिल्ली: श्री नटराज प्रकाशनों ७. डॉ. सोनी, सुधीर (2009). नवीन मीडिया प्रविधियां . जयपुरः बुक एनक्लेवों ८. कुमार, सुरेश (2004). इंटरनेट पत्रकारिता. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन। शोध पत्र 1. Gupta, Komal.(Oct-Dec., 2013). ICT Vision 2020: Milestone. Communication Today, 44-53 | 2. Mathur, nubhav.(Oct-Dec., 2013). Mobile Comes to India. Communication Today. | 3. Dr. Nayak, S. Chandra.(Oct-Dec., 2013). Social Media: Connecting One and II. Communication Today, 66-74 | 4. Pankaj Dr., charya, kunjan.(Oct-Dec., 2013). Social Networking: Youth in New Millennium. Communication Today, 75-86. | 5. Jordan, Chantay. Sports Journalism in the Eyes of New Media: How have Changes in Media ffected Sports Journalism?. Ohio University E. W. Scripps School of Journalism. Journalism 416: Online Journalism Seminar. | do~gmBQ²g | 1. searchcio.techtarget.com/.../ICT-information-and-communications-technolo. (18/08/2015, 03:19 PM²) | 2. https://en.wikipedia.org/.../InformationšandščommunicationsšŠ(18/08/2015, 05:45 PM²) | 3. https://en.wikipedia.org/wiki/SportsšjournalisŠm. (19/08/2015, 10:35 M²) | 4. learn.org/articles/WhatšisšSportsšJournalism.html. (19/08/2015, 12:05 PM²)